Mahavir International, Vadodara
Mahavir Foundation Trust

Recent Activity Report: Migrant Labour Initiative

Special Initiative to help Migrant Labour

As we are all aware, a large number of migrant labour are desperately trying to return to their homes. Many of our members have been extending some help to them. We believe that it is our duty to provide whatever help we could to these citizens of our country.
We are therefore planning to partly subsidise the train tickets of needy individuals who are being issued these tickets at Sama Sports Complex and Sama Mamladar's Office. The indicative ticket price Is between Rs 600 to 700 and we are planning to provide a relief of about Rs 200 per person. We are estimating that we will be helping about thousand individuals daily for the next ten days or so. We are also planning to extend other help as needed, including helping a lot of Migrant Labour who are moving on foot around the highways. The total budget therefore will be between Rs 10 to 14 Lakhs.
We will be extending this help in a very discrete manner without any publicity or use of our name. The persons who will undertake this work have been short listed and will begin the work tomorrow. I am sure that each one of you would like to contribute your might to this noble cause and you will also access your friends and other families to be part of this initiative. Our bank account details are attached
Full involvement from all of you had made our flood relief initiative a major success and I am quite sure that with your concerted efforts, we will meet this fund raising target without much difficulty.
Let us all act in unison in keeping with our philosophy and our motto.

“Migrant labour initiative”

Here are a few snippets of help being rendered to the desperate migrant labour by MFT members and volunteers. The snippets are just indicative of the wide range of actions on Saturday 16th May.

1. मध्य प्रदेश बॉर्डर... दाहोद के आगे। 4 ecco में बिठाकर M P जानेवाले श्रमिको को भेजा गया

2. मोहन और पृथवेश नामक दो श्रमिक वापी से इंदौर जारहे है ।पृथवेश नामक श्रमिक का पैर टूटा हुआ है।आते वक्त रात को रास्ते में दो दिन पहले अंकलेश्वर के पास गिर गया था।दोनों तीन दिन से भूखे थे चप्पल भी टूट गए । उनको खाना खिलाया। और बिस्किट ,पानी,नमकीन,और 1000/-खर्च के लिए दिए। आज ecco में बिठाकर उसका किराया दे कर बॉर्डर तक भेजा

3. पादरा के आगे जबूसर रोड से काफी लोग चलते आ रहे थे। सभी १८ मज़दूरों को 100 - 100 रूपया दिया और ६ मज़दूरों के पास कुछ भी न था इसलिए 200 रूपया दिया और ३ दिन से चल रहे थे U.P. जानेके लिए!!*

4. Food and water etc to a large number. Also, chappals and shoes

5. कल रात्रि 10:00 बजे गोल्डन चौकड़ी पर अपना सेवा कार्य चल रहा था तब एक भाई दयनीय परिस्थिति में अपने परिवार के 4 सदस्यों के साथ टूटी फूटी सायकल पर अपने गन्तव्य की और जा रहे थे।मेले कुचले व साधारण कपड़ो मे बड़ा परेशान था , खेर. यहाँ रोड पर सुकून तो किसी को नही है। ना सेवा देने वालो को... और ना ही सेवा लेने वालों को..
सबसे बडी भयावह विवशता ये थी कि ईस परिवार का सबसे छोटा सभ्य महज़ आज 15 दिनका हुआ था। दूसरा सभ्य 12 महिना का था। एक महिला अपनी प्रसूति के ग्यारहवे दिन ही अपने दोनों बच्चो के साथ ,पति को आगे कर सिलवासा से अपने गंतव्य स्थान जो मध्यप्रदेश स्थित है वहां जाने के लिए एक टूटी सी सायकिल के सहारे निकल पड़े ।जहाँ ये परिवार रहता था वहां कोई काम अब रहा नही,आर्थिक परिस्थिति भी काफी खराब थी।तो क्या करता वह... अपनी जीवन की जमा राशि जो परिवार के रूप में ही बची थी उसी को समेटे पैदल ही निकल पड़ा। रास्ते मे दो नन्ही सी जान परेशान न हो इसलिए वो रात में ही चलता रहा । उसकी पत्नी इस हालात में भी बच्चे को हाथों में उठाकर चलते जाने के लिए मज़बूर थी।
चलते चलते आज चार दिन हो गए थे।
उस वक्त अपनी वॉरियर्स टीम की नज़र पड़ी और उसे सहानुभूति के साथ अपनेपन का अहेसास कराते हुए उससे सब जानकारी इकठ्ठा की ।बाद में उनको खाना खिलाया,साथ मे आगे की यात्रा के लिए बिस्किट्स ,केले ,पानी बोतल, नमकीन पैकेट्स दिए ओर मध्यप्रदेश जाने वाली एक लोरी मे उसे चढ़ाकर उसे 1500/- रुपये भी दिए । और वो टूटी फूटी साइकिल जो शायद उसके परिवार को अपने घर तक पहुचाने का आधार रही थी उसेभी साथ मे ट्रक में चढ़ा दी थी...
क्योकि सफर अभी अधूरा था।